दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
बर्षः- 06
अंकः- 35
मुरादाबाद
(Tuesday)
26 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योगी ने की राज्य कर विभाग की समीक्षा, बोले- ईमानदार व्यापारियों को मिले सुविधा, अनावश्यक विलंब समाप्त हो

प्रतीक यादव की तेरहवीं में पहुंचे सीएम योगी, अपर्णा समेत परिवार के सदस्यों से मिलेःशोक संवेदना व्यक्त की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समाजवादी परिवार के सदस्य प्रतीक यादव की तेरहवीं में शामिल हुए। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम में परिवार के करीबी लोग और कई राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपर्णा यादव समेत अन्य परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव की तेरहवीं में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने पत्नी अपर्णा यादव समेत परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दिवंगत समाजवादी पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और अपने भाई, दिवंगत प्रतीक यादव के सम्मान में आयोजित शांति प्रार्थना सभा में पुष्पांजलि अर्पित की।समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव की तेरहवीं में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने पत्नी अपर्णा यादव समेत परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।प्रतीक यादव के निधन के 13वें दिन (तेरहवीं) पर शोक की लहर है। प्रतीक यादव का निधन 13 मई को हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, फेफड़ों की बीमारी उनकी मृत्यु का कारण बनी। मृत्यु के अगले दिन उनकी अंत्येष्टि भैंसाकुंड श्मशान घाट पर संपन्न हुई थी। आज विक्रमादित्य मार्ग स्थित उनके आवास पर 13वीं का कार्यक्रम चल रहा है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, उनके भाई धर्मेंद्र यादव, आदित्य यादव, चाचा शिवपाल सिंह यादव और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सहित यादव परिवार के समस्त सदस्य मौजूद हैं। पूरा परिवार शोक संतप्त है और एक साथ श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। परिवार के नजदीकी सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम स्थल पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है।कार्यकर्ता अपने नेता अखिलेश यादव को देखने और श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे हैं। हालांकि सुरक्षा और प्रवेश को लेकर कड़े नियम बनाए गए हैं। सभी कार्यकर्ताओं को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।
केवल चुनिंदा लोगों को ही प्रवेश मिल रहा है। प्रतीक यादव के निधन पर सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरा शोक व्याप्त है। परिवार ने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की है।प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट गहराता जा रहा है। कई इलाकों में घंटों कटौती से लोग परेशान हैं और उपकेंद्रों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। कर्मचारियों के झुलसने की घटनाएं भी सामने आईं। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ने सरकार पर दबाव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य कर विभाग को निर्देश दिए हैं कि कर संग्रह बढ़ाने के साथ-साथ ईमानदार व्यापारियों को सुविधा, सम्मान और त्वरित समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। राज्य की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने में राज्य कर विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और विभाग को राजस्व वृद्धि के साथ विश्वास आधारित प्रशासन का मॉडल प्रस्तुत करना होगा।
सोमवार को राज्य कर विभाग के शासन, मुख्यालय और फील्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कर प्रणाली को अधिक सरल, डिजिटल और जवाबदेह बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जीएसटी पंजीयन, रिटर्न दाखिले, अपील निस्तारण और रिफंड जैसी प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने, छोटे कारोबारियों को जागरूक करने तथा जिला एवं खंड स्तर तक करदाता सहायता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर कर चोरी रोकने के साथ-साथ वैध व्यापार को प्रोत्साहन देना आवश्यक है।

किस्तों में बढ़ा रहे दामः जनता की जेब पर लगातार वार, ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर बरसे राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव खत्म होने के बाद सरकार किस्तों में ईंधन के दाम बढ़ाकर जनता की जेब पर बोझ डाल रही है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 दिनों के भीतर चौथी बार हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार किस्तों में ईंधन के दाम बढ़ाकर आम लोगों की जेब पर चुपचाप डाका डाल रही है।विपक्षी नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार ईंधन के दाम किस्तों में बढ़ा रही है, ताकि आम लोगों की जेब पर लगातार बोझ पड़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से आर्थिक संकट की चेतावनी दी जा रही थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावों में व्यस्त थे और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल के दाम 8 रुपये तक बढ़ा दिए गए।इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हर बढ़ोतरी घरेलू बजट पर सीधा असर डालती है और इसका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खड़गे ने आरोप लगाया कि किसान से लेकर छोटे उद्योगों तक हर वर्ग भाजपा सरकार की लूट का बोझ झेल रहा है।बीते कुछ दिनों में लगातार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। 15 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए थे। इसके बाद 19 मई को 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। वहीं 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा किया गया। जानकारों के मुताबिक वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों से असर परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत पर पड़ सकता है, जिससे खुदरा महंगाई और घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

चीन में बैठे भारतीय डॉक्टर का कमालः 3000KM दूर वुहान से हैदराबाद में की रोबोटिक सर्जरी, 90 मिनट में बचाई जान

भारतीय डॉक्टर ने चीन के वुहान में बैठकर 5G और रोबोटिक तकनीक की मदद से हैदराबाद में मौजूद मरीज की सफल सर्जरी की। करीब 3000 किलोमीटर दूर से किया गया यह ऑपरेशन 90 मिनट में पूरा हुआ। आइए विस्तार से जानते हैं। भारत और चीन के बीच स्वास्थ्य सेवाओं और टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। भारतीय यूरोलॉजिस्ट डॉ. सैयद मोहम्मद गौस ने चीन के वुहान शहर में बैठकर हैदराबाद में मौजूद एक मरीज की सफल रोबोटिक सर्जरी की। करीब 3,000 किलोमीटर दूर से की गई इस सर्जरी को क्रॉस-बॉर्डर हेल्थकेयर के क्षेत्र में बड़ा कदम माना जा रहा है। तकनीक और हाई-स्पीड 5G इंटरनेट की मदद से की गई। करीब 90 मिनट तक चली इस प्रक्रिया में डॉक्टर ने वुहान के टोंगजी हॉस्पिटल से बैठकर हैदराबाद में मरीज के ब्लैडर री-कनेक्शन (यूरेटरल रीइम्प्लांटेशन) ऑपरेशन को नियंत्रित किया। इसमें किडनी से यूरिन ब्लैडर तक ले जाने वाली नली को दोबारा ब्लैडर से जोड़ा गया। सर्जरी शुरू होने से पहले वुहान और हैदराबाद के डॉक्टरों ने ऑनलाइन मरीज की मेडिकल रिपोर्ट की संयुक्त समीक्षा की और रोबोटिक आर्म्स की मूवमेंट का पूरा प्लान तैयार किया। इसके बाद हैदराबाद की मेडिकल टीम ने मरीज को एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन थिएटर में रोबोटिक उपकरण तैयार किए।

सुप्रीम कोर्टःकॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ जनहित याचिका, सीजेआई बोले- मुद्दे को भावनात्मक तरीके से न लें

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को एक याचिकाकर्ता से कहा कि वह 'कॉकरोच जनता पार्टी' के मुद्दे को इतना भावनात्मक तरीके से न लें। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी के मामले में जनहित याचिका दायर करते हुए एक वकील ने अदालत से जल्द सुनवाई की मांग की थी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यायपालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है।वकील की इस दलील पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, इसे इतने भावनात्मक तरीके से मत लीजिए। मुख्य न्यायाधीश ने जनहित याचिका की जल्द सुनवाई की मांग पर कहा कि ऐसी कोई गंभीर तात्कालिकता नहीं है और सर्वोच्च न्यायालय उचित समय पर इसकी नियमानुसार सुनवाई करेगा। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की %तिलचट्टे% वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। क्या है कॉकरोच जनता पार्टी? 'कॉकरोच जनता पार्टी' एक व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया अभियान है, जो सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेआई की एक मौखिक टिप्पणी के बाद सामने आया था। सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।कुछ ही दिनों में लाखों फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है।

ऐसी क्या मजबूरी हैः केजरीवाल ने केंद्र को घेरा, कहा-रूस और ईरान से सस्ता तेल क्यों नहीं खरीद रहे पीएम मोदी?

सरकारी तेल कंपनियों को रिकॉर्ड मुनाफा होने के बाद भी देश में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। विपक्ष ने इसे जनता पर अत्याचार बताया है, जबकि इस बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के बढ़ते दामों को वजह बताया जा रहा है ईंधन के बढ़ते दामों पर आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए पीएम मोदी पर सवाल दागा है। उन्होंने कहा कि ऐसी क्या मजबूरी है कि तेल के दाम फिर बढ़ गए हैं। हम फिर भी रूस और ईरान से सस्ता तेल नहीं खरीद रहे हैं।केजरीवाल ने कहा कि आज फिर उन्होंने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दिए। पिछले कुछ दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम साढ़े सात से आठ रुपए तक बढ़ गए हैं। रूस और ईरान हमें सस्ता और पर्याप्त मात्रा में तेल बेचने को तैयार हैं। लेकिन हम उनसे क्यों नहीं खरीद रहे हैं? मैंने आपसे दो तीन दिन पहले पूछा था कि क्या हमारे देश को रूस और ईरान से तेल खरीदना चाहिए? तब 97 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हां हमें खरीदना चाहिए।
मनीष तिवारी ने उठाए सवाल- बता दें कि सरकारी तेल कंपनियां भारी मुनाफा कमा रही हैं। इसके बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इस पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से पूछा कि जब कंपनियां इतना बड़ा मुनाफा कमा रही हैं, तो आम जनता पर यह बोझ क्यों डाला जा रहा है?
मनीष तिवारी ने आंकड़ों के साथ सोशल मीडिया पर लिखा कि तीन सरकारी तेल कंपनियों ने साल 2025-26 में कुल 77,280.65 करोड़ रुपये का भारी मुनाफा कमाया। यह पिछले साल से 130 प्रतिशत ज्यादा है। इसी साल जनवरी से मार्च 2026 के बीच, जब इस्राइल-अमेरिका और ईरान के तनाव के कारण दुनिया में संकट था, तब भी इन कंपनियों ने 19,470 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले साल से 40 प्रतिशत ज्यादा है। तिवारी ने पूछा कि जब कंपनियां इतने फायदे में हैं, तो हर दिन चुपके-चुपके दाम क्यों बढ़ाए जा रहे हैं?विपक्ष का सरकार पर सीधा हमला- कांग्रेस के एक और सांसद मणिकम टैगोर ने भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कंपनियों के घाटे की बात बिल्कुल झूठी है। साल 2024 में जब कंपनियों ने 81,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया, तब भी जनता 100 रुपये से महंगा पेट्रोल खरीद रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि फायदा कंपनियों को मिल रहा है और नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है।बड़े शहरों में तेल के नए दाम- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया के तनाव के कारण पिछले दो हफ्तों में चौथी बार दाम बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गया है। दिल्ली में सीएनजी भी एक रुपये प्रति किलो महंगी हो गई है। बाकी शहरों में तेल के दाम इस प्रकार हैं- कोलकाता- पेट्रोल 113.51 और डीजल 99.82 मुंबई- पेट्रोल 111.21 और डीजल 97.83 ,चेन्नई- पेट्रोल 107.77 और डीजल 99.55 चंडीगढ़- पेट्रोल 98.12 और डीजल 86.09 जयपुर- पेट्रोल 112.66 और डीजल 97.78 तेल महंगा होने से सामान लाने-ले जाने का खर्च बढ़ेगा। इससे आने वाले दिनों में महंगाई और ज्यादा बढ़ सकती है।

संपादकीय Editorial

Entry vs. Exit Tax

Opposition to Himachal's economic concerns has brought our relations with neighboring states to the brink of turmoil. In this context, the state's aggressive approach to the entry tax has sparked protests at the interstate border. Some issues were resolved at the border, but now the plan is to block 55 of Himachal's exit points for four hours on June 1st. Several farmer fronts and unions are seen standing guard over this movement. While attempts to turn Himachal into a township may be a political front, socially these are provocative actions. Himachal shares social and familial connections with Punjab, Haryana, and several neighboring states, so these contexts must be protected from becoming acrimonious. If many state BJP leaders inflame the border by blaming the current government, this is not a protest conducted in the right context. Political consensus regarding Himachal's existence is essential. Now, if Punjab pushes the issue at the 55 exit point, it's only a way to fuel the problem. Punjab and Himachal Pradesh have numerous cultural, cultural, and heritage bridges, and these can be expanded. Himachal is undoubtedly a major destination for Sikh tourism, and a large number of pilgrims visit it annually. Furthermore, the reverence and devotion to the temples also attract pilgrims from Punjab, Haryana, and neighboring states. In such a situation, some concessions could be made with the promise that Himachal's pending issues will also be resolved. For example, Himachal has still not received the rights it received as a result of the Punjab reorganization, a result of a lack of mutual understanding. Himachal has built large dams like Bhakra, Pong, and Chamera to protect the plains from floods and ensure a regular supply of irrigation water during the summer. To make the plains lush, Himachal has devastated its valleys. Today, when rainwater is released from the Pandoh Dam, the fertile land of Nurpur bears the brunt. Surprisingly, Himachal Pradesh doesn't even have rights over its economic resources—water and the electricity generated from it. Punjab isn't even willing to relinquish ownership of the Shannan Project, so this display of rights is unfair. Punjab and Haryana need water, while Himachal needs economic security. While the country's laws seek to keep the state locked up in the name of environmental protection, it demands generation tax, water cess, and a fair dividend from central enterprises that have completed their lease periods in Himachal. Ironically, instead of regional cooperation, neighboring states have led the public to a path of confrontation. Every tourist season, taxi operator conflicts, tourist displays of indecent behavior, and unnecessary conflicts over law and order are not good for neighboring states. If such issues are resolved between governments, many avenues will emerge; otherwise, by creating a group of dissenters, mutual brotherhood will only be harmed. On the regional economic front, if not only Punjab, but also Haryana, Jammu and Kashmir, Ladakh, Uttarakhand, Delhi and Rajasthan work together, then many paths to progress will become easier.

PM Modi and Meloni's gift: This isn't a melody, it's the magic of Modi's diplomacy!

Modi is a brand in himself. Whether it's his style of creating a stir with a gamchha (towel) in Bihar's electoral arena, or his way of connecting with Assamese identity with an agosa (towel), or giving opponents a taste of the spicy chili of Jhalmuri in Bengal, or now the sweetness of a chocolatey melody gift to Meloni, this is Modi's unique style of making waves. The world is enamored with it. Whether it's the political pitch or social media, Modi is a brand in himself, and that's why his magic is so prevalent across the country and the world. During the last leg of his five-nation tour, when Modi gifted a Meloni toffee to Italian Prime Minister Meloni, this video of Modi's magic was instantly shared on social media with over 60 million views within three hours. Moreover, the stock of Parle-G Products Industries, the maker of Melody Toffee, jumped 5% to hit the stock circuit (?5.25). In reality, this isn't the chocolatey Melody, but Modi's magic. While opponents may call it a gimmick, the reality is different, and the world is enamored. From the political arena to social concerns, Modi has not only defeated his opponents in electoral matches with his aggressive helicopter shots, but he is also a master at knocking out the gilli with googly balls. Whether it's the waving of a towel in Bihar and the way he connected Assamese identity with a towel in Assam, everyone knows. In the recent Bengal elections, he gave his opponents a taste of the hot pepper by eating Jhalmuri. Now, Modi's friendship with Italian PM Melanie is going to add economic sweetness to the country amid global challenges. During the Modi-Melanie meeting, a blueprint was drawn for an Indian economy of 29 billion euros by 2029. In this time of crisis in West Asia, Modi has already appealed to his countrymen to reduce oil consumption, refrain from buying gold, conserve fuel, work from home, and reduce foreign travel. The impact of these appeals is beginning to show. Some are cosmetic, while others are spontaneous. Addressing economic challenges and the fuel crisis, Modi's journey to five countries, including the UAE, focused primarily on boosting the economy, defense, and strategic agreements. Modi Magic Even Earlier: During the COVID-19 crisis in 2020, when Modi appealed to people to clap or light lamps, the entire country rallied behind him. Even then, opponents mocked the clapping and clapping. Then, Modi took a step towards self-reliance with the slogan "Vocal for Local." He led the Khadi business to a turnover of ?170.51 crore in 11 years, boosting the weavers' fortunes. In an era of fashion and branding, he drew attention to handlooms. On Diwali, millions of families began lighting up their homes with diyas and wicks made by potters, replacing Chinese chandeliers. Calls for startups and Make in India led to a move towards self-reliance in defense products. Nearly 65% ??of defense equipment is now manufactured in the country. Akash and BrahMos are being exported. The BrahMos, which gave the enemy a tough time during Operation Sindoor, is now being manufactured in Uttar Pradesh. The Ministry of Defense is promoting 67% domestic procurement. India has risen to third place in the global startup rankings, with unicorns worth over $1 billion. There is a push towards becoming a third-largest economy. Modi's popularity has also risen on social media platforms, surpassing leaders worldwide in terms of popularity. Whether it's Instagram or YouTube, Modi has the most followers. This is why, when he eats Jhalmuri during the Bengal elections, social media platforms are suddenly flooded with Jhalmuri. Now, Melody Toffee has become popular. Modi's presence, both on the political stage and globally, is driven by his fan following. He holds the pinnacle of power in the country. Through his hard work, he is expanding the party and its allies (NDA) in the states. The left has been completely dislodged from the corridors of power in the country. The oldest party, Congress, is struggling for survival with the largest party, the BJP. Kshatriya satraps are being dislodged. Modi commands the highest respect not only in the country but also in the world. Upon returning from his foreign trip, Modi is scheduled to review the latest global crisis in addition to a cabinet meeting. This very style of his sets him apart from others. Therefore, no matter how many voices are raised against Modi's style, the truth is that this is Modi's magic, friend...

Politics and Policy: State President Denies, Cabinet Reshuffle Still Possible

Madhya Pradesh BJP President Hemant Khandelwal has currently ruled out a cabinet reshuffle, but following a department-wise review of ministers, discussions are rife about a possible reshuffle after June 15th. Based on performance, some senior ministers may be removed and new faces may be inducted. Madhya Pradesh BJP President Hemant Khandelwal has stated that there will be no cabinet reshuffle at this time. Despite this statement, there are speculations that the Chief Minister's department-wise review of ministers will result in a cabinet expansion or reshuffle. The overall objective behind these review meetings is to assess the ministers' performance, and based on this, a cabinet reshuffle may be announced in the coming days. If reports in political circles are to be believed, the basis for the reshuffle is said to be performance, but there are also talks of removing some senior ministers. At the same time, some trusted new faces of the Chief Minister may be included in the cabinet. If sources are to be believed, don't be surprised if this reshuffle happens any time after Malmas, that is, after June 15th. Anurag Jain will remain Chief Secretary, with another extension also being discussed - The rumor that spread widely in the media last month that Chief Secretary Anurag Jain will be moving to a key position in the central government in May is not proving to be true. According to sources, Jain will remain Chief Secretary for now. His current extended term, which ends in August, is likely to be extended. Jain has been serving as Chief Secretary of Madhya Pradesh since October 3, 2024. His extended term, which ends in August 1, 2025, will end in August 2026. It will be interesting to see whether he will receive another extension as Chief Secretary, move to Delhi for another major assignment, or retire from government service. Why are appointments not being made to RERA and the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission? While political appointments are constantly being made to corporations, boards, and authorities in Madhya Pradesh, the positions of heads of two important government institutions remain vacant. The position of Chairman of the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission has been vacant for the past one and a half years. The tenure of former 1986-batch IAS officer Surya Pratap Singh Parihar, who served as its Chairman, has been vacant for about a year and a half. Similarly, the position of head of RERA (Real Estate Regulatory Authority), another crucial institution for the state's development and construction, has been vacant for the past two and a half months. The position has been vacant since March, following the expiry of the tenure of 1984-batch IAS officer A.P. Srivastava. Why is Rewa Collector Narendra Suryavanshi in the news? Rewa Collector Narendra Suryavanshi is currently being widely discussed in Madhya Pradesh. He assumed the position of Collector a month ago. During this month, he has actively engaged with the district administration, especially the revenue administration, and the general public to ensure the benefits of government schemes are being provided to a large number of people, benefiting them on the spot. His Jan Chaupal programs are resolving people's problems on the spot, while also punishing erring employees and officers. So far, five officers and employees have been suspended, and over 100 officers and employees have been issued show-cause notices. In the past month, they have traveled to remote villages three times by non-AC bus. Surprise inspections of several offices have also emphasized regular attendance. These actions are revealing a new picture of work across the administration. As a result, Rewa district is now ranked A on the CM Helpline and Monitor, which once ranked C and B. It will be interesting to see whether he will receive another extension as Chief Secretary, move to Delhi for another major assignment, or retire from government service. Why are appointments not being made to RERA and the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission? While political appointments are constantly being made to corporations, boards, and authorities in Madhya Pradesh, the positions of heads of two important government institutions remain vacant. The position of Chairman of the Madhya Pradesh Electricity Regulatory Commission has been vacant for the past one and a half years. The tenure of former 1986-batch IAS officer Surya Pratap Singh Parihar, who served as its Chairman, has been vacant for about a year and a half. Similarly, the position of head of RERA (Real Estate Regulatory Authority), another crucial institution for the state's development and construction, has been vacant for the past two and a half months. The position has been vacant since March, following the expiry of the tenure of 1984-batch IAS officer A.P. Srivastava. Why is Rewa Collector Narendra Suryavanshi in the news? Rewa Collector Narendra Suryavanshi is currently being widely discussed in Madhya Pradesh. He assumed the position of Collector a month ago.

गंगा दशहरा पर आस्था का महासैलाब, ब्रजघाट-तिगरी में दिनभर गूंजा हर-हर गंगे, पुलिस ने संभाला मोर्चा

ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर ब्रजघाट और तिगरी धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर पूजा-अर्चना और बच्चों के मुंडन संस्कार कराए। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने भारी वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया और घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा।ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर सोमवार अमरोहा जिले में आस्था का महासैलाब उमड़ पड़ा।

ब्रजघाट और तिगरी धाम समेत विभिन्न गंगा घाटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंचनी शुरू हो गई। सूरज की पहली किरण के साथ ही हर-हर गंगे और गंगा मैया के जयघोष गूंज उठे।श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाटों पर पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान और बच्चों के मुंडन संस्कार भी कराए। सुबह शुरू हुआ स्नान का सिलसिला जारी रहा। गंगा स्नान के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर-ट्रॉली, कारें और अन्य वाहन लगातार घाटों की ओर बढ़ते रहे। तिगरी और ब्रजघाट मार्ग पर दिनभर वाहनों का दबाव बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर दिखाई दिया।

जगह-जगह पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई जबकि ब्रजघाट गंगा पुल पर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही ताकि कहीं भी जाम की स्थिति पैदा न हो। तिगरी निवासी पंडित गंगाशरण शर्मा ने बताया कि ज्येष्ठ दशहरा पर गंगा स्नान का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है।

मान्यता है कि इस दिन गंगा में स्नान करने से गंगा मैया का आशीर्वाद बना रहता है और व्यक्ति को पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते सोमवार को ब्रजघाट और तिगरी में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर्व को देखते हुए अमरोहा प्रशासन ने पहले से ही व्यापक यातायात और सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी थी। रविवार शाम आठ बजे से जिले में विशेष रूट डायवर्जन प्लान प्रभावी कर दिया गया।ट्रक, कंटेनर, डीसीएम, निजी बसों और अन्य भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया ताकि नेशनल हाईवे और घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात का दबाव कम किया जा सके।

एएसपी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि ब्रजघाट, तिगरी धाम, धनौरा के सीपिया घाट, हसनपुर के पूठ घाट, पौरारा, सिरसा और जल्लोपुर घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विशेष ट्रैफिक और सुरक्षा प्लान तैयार किया गया था।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए घाटों के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और ट्रैफिक संचालन के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गईं हैं।

डायवर्जन व्यवस्था के तहत भारी वाहनों को हाईवे से हटाकर वैकल्पिक मार्गों पर भेजा गया, जबकि कार, पिकअप, रोडवेज बस, दूध, फल, सब्जी, दवा और अन्य जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों को आवागमन की अनुमति दी गई। प्रशासन ने एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को पूरी तरह छूट दी।

एएसपी ने कहा कि यदि श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ती है तथा जाम की स्थिति बनती है तो रोडवेज बसों और हल्के वाहनों को भी वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। जरूरत पड़ने पर कुछ समय के लिए जीरो ट्रैफिक व्यवस्था भी लागू की जा सकती है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे निर्धारित मार्गों का पालन करें और पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें, ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

UP में एक और पति का कत्ल: पापा को मम्मी और लंबू ने मारा, बेटी ने बताया सच;पवन ने 3 माह पहले देखी थी चौटिंग

यूपी में एक और पति की हत्या का मामला सामने आया है। बेटी ने बताया कि पापा को मम्मी और लंबू ने मार डाला। मारे गए पवन ठाकुर की तीन साल की बेटी प्रियांशी उर्फ बिट्टू घटना के समय कमरे में मौजूद थी और मासूम अपनी मां की करतूतों को देख रही थी।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने पति की हत्या करने के लिए अपने प्रेमी और बहन का साथ लिया। आरोपियों ने क्रूरता से उसे मौत दी। यह घटना एक अवैध संबंध के चलते हुई है। मृतक पवन ने करीब तीन माह पहले अपनी पत्नी के मोबाइल पर चैटिंग देखी थी। यह चैटिंग उसकी पत्नी और उसके भतीजे अंकित के बीच थी। चैटिंग में दोनों के बीच प्रेम संबंध का खुलासा हुआ। पवन ने अपनी पत्नी को इस संबंध को खत्म करने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पत्नी ने उसकी बात मानने से इन्कार कर दिया।इसके बाद पवन का अपनी पत्नी पर शक और गहरा गया। परिवार का मामला होने के कारण पवन अपने भतीजे से सीधे भिड़ना नहीं चाहता था। पत्नी के रवैये से पवन के मन में अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका बढ़ने लगी थी। उसे डर था कि पत्नी सोते समय उसके साथ कोई अनहोनी कर सकती है।पापा को मेरी मम्मी और लंबू ने मारा - मारे गए पवन ठाकुर की तीन साल की बेटी प्रियांशी उर्फ बिट्टू घटना के समय कमरे में मौजूद थी और मासूम अपनी मां की करतूतों को देख रही थी। उसे आंचल के मायके वाले रविवार की सुबह लेकर चले गए।मोहल्ले वालों के सामने मासूम तुतलाते हुए कह रही थी कि उसकी मम्मी और लंबू ने पापा को डंडे से मारा है। वह लंबू अंकित को कह रही थी। उसको कुछ लोगों ने चुप करा दिया।यह था पूरा मामला- मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के कुंदनपुर में शनिवार की रात फर्मकर्मी पवन कुमार ठाकुर (30) को उसकी पत्नी आंचल और साली शिखा ने घर में ही बंधक बना लिया। इसके बाद दोनों बहनों ने अपने अपने प्रेमी बुला लिए और पवन को बिजली का करंट लगाया और बाद में जबरन जहर खिलाकर मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं हत्यारोपियों ने पवन द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात कहकर परिजन बुला लिए। शनिवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करंट लगाने की पुष्टि हुई तो हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों बहनों और उसके प्रेमियों को हिरासत में ले लिया है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मैनाठेर के बगी गोधनपुर निवासी पवन कुमार ठाकुर मझोला थाना क्षेत्र में कुंदनपुर में कृषि विभाग कार्यालय के पास रहता था। पवन फर्म में काम करता था। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी छह साल पहले संभल जिले के हजरतनगर गढ़ी के बटौवा गांव निवासी आंचल के साथ हुई थी।दंपती की दो वर्षीय बेटी दिव्यांशी है। पवन पत्नी आंचल और बेटी दिव्यांशी के साथ रहता था। शनिवार की सुबह आंचल ने पवन की बहन अनीता और बबीता को कॉल की और बताया कि पवन ने कुछ खा लिया है। वह बोल नहीं रहे हैं।डॉक्टरों ने पवन को घोषित किया मृत- इसकी जानकारी मिलने पर दोनों बहनें ओर अन्य परिजन भी आ गए। इसकी जानकारी मिलने पर चौधरी चरण सिंह चौक के पास रहने वाले पवन के भाई एवं बिजली विभाग में लाइनमैन देवेंद्र कुमार भी आ गए। वह पवन को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने पवन को मृत घोषित कर दिया।पवन की बहनों और पुलिस ने आंचल से जानकारी की तो वह जवाब देने से बचती नजर आती रही । इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शनिवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पवन की मौत जहर के सेवन से आई लेकिन उसके शरीर पर जगह जगह बिजली का करंट लगाए जाने की पुष्टि हुई।पति के तहेरे भाई के बेटे से अफेयर - इसके बाद पुलिस ने आंचल को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की तो उसने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। उसने पुलिस को बताया कि करीब दो साल से उसका पवन के तहेरे भाई के बेटे अंकित से प्रेम प्रसंग चल रहा था।दोनों बहनों ने अपने प्रेमियों संग रची हत्या की साजिश - करीब छह माह पहले पवन को इसकी जानकारी हो गई थी। पवन ने दोनों के साथ मारपीट भी की थी लेकिन आंचल और अंकित ने मिलना जुलना बंद नहीं किया। शुक्रवार को आंचल ने प्रेमी अंकित, अपनी बहन शिखा और उसके प्रेमी जयंतीपुर निवासी अजय दिवाकर के साथ मिलकर पवन की हत्या की योजना बना ली थी।

मालगाड़ी के वैगन पर चढ़ा युवक, ओएचई के करंट से झुलसकर मौत; बड़ा सवाल- वैगन पर कैसे पहुंचा?

मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर एक शख्स मालगाड़ी के वैगन पर चढ़ गया। ओएचई के करंट से झुलसकर उसकी मौत हो गई। डीजल लदी मालगाड़ी प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़ी थी। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर डीजल से भरी मालगाड़ी के वैगन पर एक युवक चढ़ गया। चढ़ते ही उसका शरीर बिजली की ओएचई लाइन से टकराया और तेज धमाका हुआ। युवक नीचे पटरियों पर गिर गया। उसके शरीर से लगातार आग की लपटें उठती रहीं, गमीनत रही कि डीजल वैगन में आग नहीं लगी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।तेज धमाका हुआ तो लोगों ने देखा कि कोई व्यक्ति झुलसते हुए नीचे गिरा है। मौके पर फौरन लोगों की भीड़ जुट गई। जीआरपी और आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंच गए। किसी तरह उसके शरीर से उठ रही आग की लपटों को बुझाया गया, ताकि मालगाड़ी सुरक्षित रहे। घटना रविवार रात 915 बजे हुई। इस दौरान आधे घंटे तक प्लेटफॉर्म नंबर एक व दो से कोई ट्रेन नहीं गुजारी गई।स्टेशन अधीक्षक महेंद्र सिंह, सीएमआई गौरव क्षोत्रिय मौके पर पहुंचे और रेलवे के डॉक्टरों व एंबुलेंस को बुलाया। वहीं पुलिसकर्मियों ने युवक का शव पटरियों के किनारे रखवाया। इसके बाद 9ः45 बजे सुहेलदेव एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आई।साथ ही प्लेटफॉर्म नंबर दो पर खड़ी डीजल की मालगाड़ी को भी आगे बढ़ाया गया। मौके पर पहुंचे रेलवे के डॉक्टरों ने व्यक्ति को मृत घोषित किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।मालगाड़ी के वैगन पर चढ़ने की कोशिश जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार वशिष्ठ ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति की मालगाड़ी के वैगन पर चढ़ने की कोशिश में झुलसकर मौत होगई। बुरी तरह जलने के कारण उसकी पहचान भी नहीं हो सकी है। उसके पास से कोई आईडी भी नहीं मिली है। प्लेटफॉर्म पर तैनात रहते हैं पुलिसकर्मी, फिर वैगन पर कैसे चढ़ा युवक- प्लेटफॉर्म नंबर दो की इस घटना ने रेलवे पुलिस की गश्त पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे जीआरपी और आरपीएफ के जवानों की ड्यूटी रहती है। खासकर तब जब कोई ट्रेन या मालगाड़ी प्लेटफॉर्म पर खड़ी हो तो पुलिसकर्मी अधिक सतर्क रहते हैं लेकिन रविवार को यह सतर्कता नहीं दिखी। मरने वाला व्यक्ति बिना किसी रोक-टोक मालगाड़ी के वैगन पर चढ़ गया और यह घटना हो गई। इसके कारण बड़ा हादसा भी हो सकता था। फिलहाल जीआरपी का कहना है कि वैगन पर चढ़ने वाला व्यक्ति कौन था इसकी जांच के लिए कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में 42 डिग्री तापमान, चौराहे पर ट्रैफिक ड्यूटी में लगा पीआरडी कर्मी गश खाकर गिरा, चली गई जान

मुरादाबाद में भीषण गर्मी के बीच मधुबनी तिराहे पर ट्रैफिक ड्यूटी कर रहे पीआरडी जवान किशन स्वरूप (50) की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। तेज धूप में ड्यूटी के दौरान वह चक्कर खाकर गिर पड़े थे।

इसके बाद साथी उन्हें जिला अस्पताल ले गए थे। मुरादाबाद में 42 डिग्री तापमान में मधुबनी तिराहे पर ट्रैफिक ड्यूटी में लगा पीआरडी कर्मचारी दोपहर डेढ़ बजे अचानक गश खाकर गिर गया। साथी उसे आनन-फानन जिला अस्पताल ले गए लेकिन तब तक सांसें थम चुकी थीं।देर शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक को मौत का कारण बताया गया है। थाना पाकबड़ा के लोधीपुर राजपूत निवासी पीआरडी कर्मचारी किशन स्वरूप (50) की ड्यूटी रविवार सुबह छह बजे से मधुबनी तिराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में लगाई गई थी।दोपहर करीब डेढ़ बजे तेज धूप और उमस के बीच किशन स्वरूप अचानक चक्कर खाकर सड़क पर गिर पड़े। उस दौरान डिप्टी सीएम का जिला अस्पताल निरीक्षण चल रहा था। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने तुरंत पीआरडी जवान को उठाकर छांव में लिटाया।पानी पिलाने के साथ शरीर पर पानी के छींटे मारे गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। साथी पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल जिला अस्पताल की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। तब तक डिप्टी सीएम निरीक्षण कर अस्पताल से निकल चुके थे।बेहोश कर्मचारी को इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने ईसीजी समेत जरूरी जांच की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।इमरजेंसी मेडिकल अफसर डॉ. जुनैद अंसारी ने बताया कि हो सकता है कि हीट स्ट्रोक के कारण दिल की धड़कन रुक गई हो। सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष सक्सेना का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई है। शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

कल तक के प्रधान, फिर बदल जाएगा गांव की सरकार का निजाम, अपनाएंगे इस राज्य का मॉडल?; इन तीन विकल्प पर विचार

यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था में ग्राम पंचायतों का कार्यकाल कल यानि 26 मई को समाप्त हो जाएगा। विभागीय सूत्रों के मुताबिक शासन स्तर पर तीन तरह के विकल्पों पर विचार चल रहा है।त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था में ग्राम पंचायतों का कार्यकाल मंगलवार की शाम पांच बजे खत्म हो जाएगा। सोमवार को शासन से ग्राम पंचायतों की व्यवस्था के मामले में कोई आदेश जारी हो सकता है।विभागीय सूत्रों के मुताबिक शासन स्तर पर तीन तरह के विकल्पों पर विचार चल रहा है। सबकी निगाहें उधर ही हैं कि इनमें से किस पर मुहर लगती है या इन तीन विकल्पों से इतर ग्राम पंचायत संचालन की कोई नई व्यवस्था सामने आती है। इन तीन विकल्पों में पहला है कि मौजूदा प्रधानों की अध्यक्षता वाली तीन या छह सदस्यीय समिति को संचालन के अधिकार दिए जाएं। दूसरे विकल्प में एडीओ (पंचायत) को प्रशासक बनाने, जबकि तीसरे में पंचायत सचिव, पंचायत सहायक और प्रधान को शामिल करते हुए समिति बनाने जैसे प्रस्ताव हैं। माना जा रहा है कि मंगलवार प्रधानी के कार्यकाल का अंतिम दिन होने के कारण शासन से सोमवार को ग्राम पंचायतों के संचालन की वैकल्पिक व्यवस्था की स्थिति साफ होने की पूरी उम्मीद है। सभी 643 ग्राम पंचायतों में अभी 15वें वित्त आयोग एवं पांचवें वित्त आयोग के बाकी करीब आठ करोड़ रुपये से काम कराने को लेकर तेजी है। हर स्तर पर कामों को जल्द से जल्द पूरा करके विकास कार्यों का ग्राफ बढ़ाने में दिलचस्पी ली जा रही है। प्रधानों की ओर से अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग भी तेजी से उठी थी। पांच दिन पहले तक अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन ने भी लखनऊ में धरना देकर प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने या प्रधानों की अध्यक्षता वाली समिति को पंचायत संचालन का अधिकार देने की मांग उठाई थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हीट वेव को लेकर डीएम अविनाश सिंह की बड़ी चेतावनी

दोपहर में घर से निकलने से बचें, ज्यादा पानी पिएं और लू के लक्षण पहचानें

हीट वेव से बचने के उपाय

- ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं
- ओआरएस, छाछ, लस्सी और नींबू पानी का सेवन करें
- हल्के और ढीले कपड़े पहनें
- धूप में निकलते समय टोपी, छाता और चश्मा लगाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें

क्या न करें

- दोपहर 12 से 3 बजे तक धूप में न निकलें
- बंद गाड़ी में बच्चों या जानवरों को अकेला न छोड़ें
- ज्यादा चाय, कॉफी और शराब से बचें

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । लगातार बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आमजन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने कहा कि तेज धूप और गर्म हवाएं स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती हैं, इसलिए सावधानी बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ा तापमान हीट वेव की स्थिति पैदा करता है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। लू लगने पर चक्कर आना, सिरदर्द, कमजोरी, तेज बुखार, ज्यादा पसीना और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।डीएम ने अपील की है कि हीट वेव अलर्ट को गंभीरता से लें और सतर्क रहकर खुद व परिवार को सुरक्षित रखें।

जंगल में गौकशी की साजिश... क्योलड़िया पुलिस से भिड़ा बदमाश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना क्योलड़िया क्षेत्र के जंगल में गौकशी की फिराक में घूम रहे बदमाशों की सूचना पर पुलिस और बदमाश आमने-सामने आ गए। सूचना मिलते ही क्योलड़िया पुलिस ने कैलाश नदी किनारे जंगल में घेराबंदी शुरू कर दी। खुद को घिरता देख एक शातिर बदमाश ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश के पैर में गोली लग गई और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान इकराम उर्फ हड्डी निवासी हज्जियापुर थाना बारादरी के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है। पूछताछ में बदमाश ने कई गौकशी और पशु चोरी की वारदातों में अपने साथियों के साथ शामिल होने की बात कबूल की है।बताया जा रहा है कि आरोपी पर बरेली और शाहजहांपुर समेत कई जिलों में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि पुलिस उसके फरार साथियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

बरेली पुलिस का मेगा ट्रैफिक अभियान, 683 वाहन चालकों पर बड़ी कार्रवाई, 44 लाख से ज्यादा का चालान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 23 और 24 मई को जिलेभर में विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें नशे में वाहन चलाने वालों, मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वालों, प्रेशर हॉर्न और हूटर बजाने वालों के साथ बिना HSRP नंबर प्लेट वाले वाहनों पर शिकंजा कसा गया।

अभियान के दौरान फतेहगंज पश्चिमी, बहेड़ी, भोजीपुरा, हाफिजगंज और फरीदपुर के टोल प्लाजा पर रात 8 बजे से 11 बजे तक विशेष चेकिंग की गई। पुलिस टीम, सीसी टीम, इंटरसेप्टर वाहन और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए हजारों वाहनों की जांच की। दो दिनों में कुल 7097 वाहनों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई। इस दौरान 149 ड्रिंक एंड ड्राइव, 259 प्रेशर हॉर्न, 269 फाल्टी नंबर प्लेट और बिना HSRP, तथा 6 मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। कुल 683 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान करते हुए करीब 44 लाख 77 हजार रुपये का शमन शुल्क लगाया गया।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

3 दरोगाओं पर गिरी गाज एसएसपी का ताबड़तोड़ एक्शन

सोशल मीडिया पॉलिसी उल्लंघन , अवैध हिरासत और महिला प्रकरण बनी वजह

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में पुलिस विभाग के अंदर अनुशासन और जवाबदेही को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बड़ा और सख्त संदेश दिया है। कर्तव्यों में लापरवाही, सोशल मीडिया पॉलिसी के उल्लंघन और गंभीर आरोपों को संज्ञान में लेते हुए SSP ने तीन उप निरीक्षकों पर त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई की है। इंस्टाग्राम पोस्ट पड़ा भारी, दरोगा लाइन हाजिर सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 का उल्लंघन करते हुए इंस्टाग्राम आईडी si_shubh_thakur से पोस्ट किए जाने का मामला सामने आया। जांच में यह आईडी थाना फरीदपुर में तैनात उप निरीक्षक शुभम सोम की पाई गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए SSP अनुराग आर्य ने तत्काल प्रभाव से दरोगा शुभम सोम को लाइन हाजिर कर दिया। साथ ही पूरे मामले की प्रारंभिक जांच शुरू करा दी गई है। अवैध हिरासत और 50 हजार लेने के आरोप में दरोगा सस्पेंड-थाना प्रेमनगर में तैनात उप निरीक्षक शुभम चौधरी पर बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता राहुल शंखधार ने आरोप लगाया कि दरोगा ने उन्हें अवैध रूप से हिरासत में रखकर मारपीट की और ?50 हजार लेकर सादे कागज पर हस्ताक्षर करवाए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए SSP ने तत्काल दरोगा शुभम चौधरी को निलंबित कर निष्पक्ष और गहन जांच के आदेश दे दिए हैं।

महिला प्रकरण में लापरवाही पड़ी भारी, उप निरीक्षक निलंबित- महिला संबंधी शिकायत में कार्रवाई न करना थाना हाफिजगंज में तैनात उप निरीक्षक चन्द्रपाल सिंह को भारी पड़ गया। आरोप है कि मोबाइल तोड़ने, छेड़खानी और पीछा करने की शिकायत के बावजूद FIR दर्ज नहीं की गई।

पीड़िता को न्याय के लिए उच्चाधिकारियों के सामने पहुंचना पड़ा, जिसके बाद SSP ने प्रथम दृष्टया गंभीर लापरवाही मानते हुए उप निरीक्षक चन्द्रपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने स्पष्ट कहा है कि पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता, संवेदनशील मामलों में लापरवाही और किसी भी प्रकार की अनियमितता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बरेली के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालयए बरेली के सत्र 2025-26 की विषम सेमेस्टर के लगभग सभी कोर्सेज में शत प्रतिशत परीक्षा परिणामों में छात्र.छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की।

परास्नातक स्तर पर एम.एस.सी. जन्तु विज्ञान में आयुषी सक्सेना ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। एम.एस.सी. भौतिक विज्ञान में दीपिका गगंवार ने 77.5 प्रतिशत

तथा एम.एस.सी. रसायन विज्ञान में स्वालेहा खानम ने 76.16 प्रतिशत अंक अर्जित किए। एम.एस.सी. वनस्पति विज्ञान में अंजली यादव ने 75.16 प्रतिशत तथा एम.एस.सी. गणित में आकाशदीप गगंवार ने 74.16 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। एम.ए. भूगोल में निशिकान्त आर्या ने 79.16 प्रतिशत, एम.ए. राजनीति विज्ञान में प्रमांशु यादव ने 73.5 प्रतिशत, एम.ए अंग्रेजी में अर्पित गौतम ने 70.66 प्रतिशत, एम.ए शिक्षा शास्त्र में राहिला आजमी ने 70.5 प्रतिशत, पीजीडीसीए में प्रांजल गोयल ने 71.5 प्रतिशत तथा एम.कॉम. में तुषा पाण्डेय ने 74.6 प्रतिशत अंक अर्जित किए।

वहीं स्नातक स्तर पर बी.कॉम. में प्रिया गगंवार ने 79.8 प्रतिशत, बी.एस.सी. गृह विज्ञान में रिया शर्मा ने 78.16 प्रतिशत, बीए में माही अग्रवाल ने 73.75 प्रतिशत, बी.एस.सी. (पीसीएम) में मानसी यादव एवं श्वेता मलिक ने सयुक्त रूप से 65.6 प्रतिशत जबकि जेडबीसी वर्ग में ऋतु गुप्ता ने 74.16 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। बीबीए में अलजाईना ने 67.83 प्रतिशत तथा बीसीए में अभय सक्सेना ने 72.14 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल एवं समस्त पदाधिकारियों ने सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाऐं प्रेषित की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महाविद्यालय के निदेशक डॉ. प्रवीन अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने छात्रों के परिश्रम को सराहा तथा भविष्य में इसी प्रकार लगन से कार्य करने की सलाह भी दी उन्होने इस सफलता का श्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों को दिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिजली विभाग की लचर कार्यशैली पर किसानों का फूटा गुस्सा, एक्सईएन को दी चूड़ियां भेंट करने की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। पूरनपुर विद्युत वितरण खंड में व्याप्त भीषण भ्रष्टाचार और मनमानी के खिलाफ भारतीय किसान

यूनियन भानू का सब्र का बांध आखिरकार टूट ही गया। पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष के बाद आज संगठन ने विद्युत विभाग के कार्यालय पर धावा बोल दिया और जमकर बवाल काटा। किसानों की मुख्य नाराजगी विभाग के एक्सईएन की निकम्मी कार्यशैली को लेकर थी, जो कार्यालय से गायब रहकर फील्ड के नाम पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते रहे हैं। आज जब किसान अपनी समस्याओं का पिटारा लेकर पहुंचे, तो एक्सईएन कार्यालय में मौजूद तक नहीं थे। फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने बीमारी का बहाना बनाकर अपनी खाल बचाने की कोशिश की, जिससे आक्रोशित किसानों का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया।किसानों का आरोप है कि पूरनपुर, शेरपुर कलां और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती ने जनजीवन और खेती किसानी को बर्बाद कर दिया है। संगठन की महिला मोर्चा ने तो हद पार कर चुके अधिकारियों को बेशर्मी के लिए आड़े हाथों लेते हुए उन्हें चूड़ियां भेंट करने का अल्टीमेटम तक दे दिया। मौके पर मौजूद मंडल अध्यक्ष लाल मिश्रा और जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ, तो आगामी समय में विभाग के खिलाफ इससे भी बड़ा मोर्चा खोला जाएगा। मामले की गंभीरता को भांपते हुए पूरनपुर उप जिलाधिकारी और एसडीओ सहित माधोटांडा के उपखंड अधिकारी आनन फानन में घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अंततः अधिकारियों ने लिखित आश्वासन दिया कि विद्युत कटौती पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाएगी और व्यवस्था को पटरी पर लाया जाएगा। प्रशासन के आश्वासन और ज्ञापन सौंपने के बाद ही किसान शांत हुए। इस प्रदर्शन में तहसील अध्यक्ष रुसान अहमद, मीडिया प्रभारी सबलू खान समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। अब सवाल यह है कि क्या यह आश्वासन केवल कागजी साबित होगा या वाकई में बिजली की आंख मिचौली से त्रस्त किसानों को राहत मिलेगी? फिलहाल, पूरनपुर विद्युत विभाग के आला अधिकारियों पर संगठन की पैनी नजर बनी हुई है।

गाजियाबाद में लगी भीषण आग: इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में हुई आगजनी, पूरे इलाके में धुएं का गुबार

आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही हैं और दूर से ही दिखाई दे रही हैं। धुएं का गुबार पूरे इलाके में फैल गया है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो रही है। दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं और पानी की बौछारें डाल रहे हैं। गाजियाबाद स्थित एनएच 24 से सटी एलएन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में भीषण आग लग गई है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी की सीएनसी मशीन में खराबी आने से यह आग लगी। आग तेजी से बढ़कर पूरी कंपनी में फैल गई है। खाली कराई गई कंपनी- यह कंपनी पंखे और लाइट के निर्माण का कार्य करती है। आग इतनी भयावह है कि मौके पर कई दमकल विभाग की गाड़ियां मौजूद हैं। इसके बावजूद आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। आग बुझाने के प्रयास लगातार जारी हैं और अतिरिक्त सहायता बुलाई गई है। कंपनी को पूरी तरह से खाली करा लिया गया है। इससे किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सका है। आग लगने का प्रारंभिक कारण सीएनसी मशीन का अत्यधिक गर्म होना बताया

जा रहा है। इस घटना से कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। आग के कारण आसपास के क्षेत्र में भी धुएं का गुबार फैल गया है। आग की भयावहता- आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही हैं और दूर से ही दिखाई दे रही हैं। धुएं का गुबार पूरे इलाके में फैल गया है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो रही है। दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं और पानी की बौछारें डाल रहे हैं। हालांकि, आग की तीव्रता और ज्वलनशील सामग्री के कारण उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। आसपास के क्षेत्रों में भी सतर्कता बरती जा रही है और लोगों को दूर रहने की सलाह दी गई है। बचाव कार्य और प्रभाव- आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया गया। कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया। कंपनी के भीतर मौजूद सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इस आग से कंपनी के उत्पादन पर गंभीर असर पड़ने की संभावना है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और सहयोग कर रहे हैं।

बिहारपुर में सजेगा विशाल कुश्ती महादंगल, देशभर के नामी पहलवान दिखाएंगे दमखम

नशा मुक्त समाज के संदेश के साथ 25-26 मई को होगा भव्य आयोजन, क्षेत्र में उत्साह का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर। जिले के दूरस्थ बिहारपुर क्षेत्र में खेल प्रेमियों के लिए एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। 25 एवं 26 मई 2026 को बिहारपुर में विशाल कुश्ती महादंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से नामी पहलवान अपने दांव-पेंच का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और चर्चा का माहौल बना हुआ है। आयोजकों द्वारा जारी पोस्टर के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और समाज में नशा मुक्ति का संदेश देना भी है। उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ नशा मुक्त समाज की स्थापना थीम पर आयोजित इस महादंगल में बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, बनारस, गोरखपुर, नेपाल, आगरा, कानपुर, इलाहाबाद, इटावा सहित कई राज्यों एवं शहरों के प्रसिद्ध पहलवान हिस्सा लेंगे। महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। आयोजकों का दावा है कि महादंगल में शामिल होने वाले पहलवान राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं, जिससे मुकाबले रोमांचक होने की उम्मीद है। पोस्टर में हरियाणा के प्रसिद्ध पहलवानों के नाम भी प्रमुखता से दर्शाए गए हैं, जिनके आने से प्रतियोगिता का आकर्षण और बढ़ गया है। ग्रामीण अंचल में इतने बड़े स्तर पर खेल आयोजन होने से स्थानीय युवाओं में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। क्षेत्र के लोग इसे बिहारपुर के लिए गौरव का विषय मान रहे हैं। महादंगल के मुख्य आयोजक मा. नित्यानंद पाठक जी बताए गए हैं। आयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता स्थल पर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। दर्शकों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था तथा खिलाड़ियों के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिहारपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्र में इस प्रकार का आयोजन युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। वहीं व्यापारियों और छोटे दुकानदारों को भी आयोजन के दौरान अच्छा व्यापार मिलने की उम्मीद है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रतियोगिता का आनंद लेने एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

महोबा छात्रा कांड पर बरेली में कांग्रेस का प्रदर्शन

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली में सोमवार को महानगर कांग्रेस कमेटी ने महोबा में नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ हुई कथित घटना के विरोध में प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया, जिसे प्रवक्ता पंकज उपाध्याय ने पढ़कर सुनाया। दिनेश दद्दा ने कहा कि छात्रा के साथ हुई कथित अपहरण और उत्पीड़न की घटना बेहद गंभीर है और इससे महिला सुरक्षा व कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की। पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने कहा कि प्रदेश में लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाओं से जनता में चिंता का माहौल है। वहीं प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने महिला सुरक्षा को सरकार की प्राथमिकता बनाने की बात कही। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इकबाल रजा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस दौरान मुकेश वाल्मीकि, राजा राम साहू, डॉ. हरीश गंगवार, इंजीनियर जीशान अफरीदी, मोबिन अंसारी एडवोकेट सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी व मा. ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने गोमती नदी के पुनरूद्धार कार्य और निर्मल गंगा जल अभियान का ग्राम पंचायत रम्पुरा फकीरे में किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और मां. ब्लॉक प्रमुख पूरनपुर के प्रतिनिधि अपूर्व सिंह ने आज विकास खण्ड पूरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत रम्पुरा फकीरे में माँ गोमती नदी का पुनरूद्वार और निर्मल गंगा जल अभियान कार्य का विधि-विधान से पूजन कर कार्य की शुरूआत की। जिलाधिकारी, मा. ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, गायत्री परिजन, व्यापारियों, सामाजिक संस्था एवं आमजन ने फावड़ा चलाकर नदी के पुनरोद्धार हेतु श्रमदान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती नदी आदि गंगा के नाम से जाने जाती है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने गोमती पर विशेष ध्यान दिया है और आने वाले समय में यह बहुत बडा पर्यटन स्थल माधोटांडा बनने जाने जा रहा है। उन्होंने सभी को सम्बोधित करते हुए गोमती नदी के ऐतिहासिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नदी के पुनरूद्धार के लिए प्रशासनिक स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। अभियान के तहत नदी की सफाई और जीर्णोद्वार कार्यों को गति देना व तटों को सुव्यवस्थित करने का कार्य शुरू किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गोमती नदी के जल को स्वच्छ बनाना, जल प्रवाह को अविरल रखना है, जिससे की जल स्तर में सुधार हो सके। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों और लोगों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की भी हम सबकी जिम्मेदारी है। ग्राम प्रधान व स्थानीय लोगों द्वारा सराहनीय कार्य हेतु प्रशंसा की गई। मा0 ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुये कहा कि गोमती नदी पीलीभीत की पहचान है। नदियां हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं। गोमती नदी का पुनरूद्धार आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक अभियान है। इससे न केवल जल स्तर में सुधार होगा अपितु स्थानीय जैव विविधता को भी नया जीवन मिलेगा। उन्होंने कहा कि गोमती नदी को नया जीवन प्रदान करना और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना है। नदी की खुदाई और सफाई का कार्य को सही तरीके से कराया जाये। गायत्री परिवार के स्मरवीर सिंह, अशोक खंडेलवाल, ठाकुर अजय सिंह, ड्रीम मैंगो की दीपिका चतुर्वेदी सहित कई लोगों ने विचार रखे। संचालन पूरनपुर के बीडीओ/डीसी मनरेगा ने किया। माता भगवती देवी गोशाला पर आयोजित कार्यक्रम में भी जिलाधिकारी ने भाग लिया। यहां आयोजित भंडारे में जिलाधिकारी सहित सभी श्रमदानियों ने भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया। गोशाला प्रबंधक अनंतराम पालिया, लालता प्रसाद शास्त्री आदि ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान भारी जनसमूह जुटा और अगले कार्यक्रम में भी श्रद्धा भाव से पहुंचने का सभी ने संकल्प लिया। कारे गूंजते रहे। कलीनगर के एसडीएम, तहसीलदार व विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। गोमती सेवक राममूर्ति सिंह, लक्ष्मण प्रसाद वर्मा, कुंवर निर्भय सिंह, संदीप खंडेलवाल, गुड्डु वाजपेई, रामनरेश शुक्ला, शक्ति सिंह, राजेश गुप्ता, राजू खंडेलवाल, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, किरण सिंह, गौरव पांडेय सहित काफी संख्या में गायत्री परिजन, व्यापारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बेतवा नदी के बड़ वाले घाट पर जिला स्तरीय गंगा दशहरा कार्यक्रम का आयोजन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ नदियां हमारी संस्कृति और जीवन का आधार, उनका संरक्षण और संवर्धन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी - मंत्री श्री सारंग

विदिशा- गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विदिशा जिले में बेतवा नदी के बड़ वाले घाट पर जिला स्तरीय गंगा दशहरा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने विधि-विधान से बेत्रवती मैया की पूजन-अर्चना की। पूजन के उपरांत मंत्री श्री सारंग ने बेत्रवती मैया की आरती उतारी तथा चुनरी अर्पित कर नदी के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में विदिशा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, श्री मनोज कटारे सहित कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के अलावा आम नागरिकों, छात्र-छात्राओं स्वयं सेवी संस्थाओं के द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई गई है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नदियां हमारी संस्कृति और जीवन का आधार हैं। उनका संरक्षण और संवर्धन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उन्हें संरक्षित रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री सारंग सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने नदी तट पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का भी स्वच्छता को लेकर विशेष फोकस है। प्रधानमंत्री जी ने देश के नवनिर्माण के संकल्प लिए उनमें स्वच्छता एक बड़ा संकल्प है। उन्होंने घर-घर शौचालय बनवाए स्वच्छता के लिए आम नागरिकों को प्रेरित किया। यह उसी का परिणाम है कि आज स्वच्छता को लेकर हम सब सक्रिय हुए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पेयजल की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें, आने वाली पीढ़ी को पानी की समस्या न होने पाए इसके लिए हमें जल संरचनाओं का संरक्षण और संवर्धन करना है

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार में हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / अवैध खनन व ओवर लोडिंग पर लगाई जाए रोक-जिलाधिकारी

जिला सड़क सुरक्षा समिति की कैलेंडर वर्ष 2026 की पांचवीं बैठक का आयोजन जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में संपन्न हुआ। बैठक में दिनांक 20 मई 2026 को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किए जाने हेतु समस्त स्टेकहोल्डर विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद की प्रत्येक तहसील में दुर्घटना संभावित प्रमुख स्थलों को चिन्हित कर उनके लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कस्बा अमरिया तथा जहानाबाद बाईपास पर खराब प्रकाश व्यवस्था को शीघ्र ठीक कराने हेतु एनएचएआई के साइट इंजीनियर को निर्देशित किया गया।

नवनिर्मित आसाम चैराहा फ्लाईओवर के नीचे हो रहे अतिक्रमण को रोकने तथा पूर्व में स्थापित पुलिस चैकी के लिए नए स्थान का चयन कर वहां पुलिस चैकी निर्माण की कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। जनपद में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधारीकरण हेतु लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई एवं अन्य संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त कई स्थानों पर मुख्य मार्गों से जुड़ने वाले लिंक रोडों पर स्पीड ब्रेकर निर्माण एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में रोडवेज बसों का संचालन केवल निर्धारित स्थानों से किए जाने हेतु परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देश दिए गए। साथ ही नगर निकायों एवं नगर पालिकाओं को अपने-अपने क्षेत्रों में केवल निर्धारित वाहन स्टैंड से ही व्यावसायिक वाहनों का संचालन सुनिश्चित कराने तथा अवैध वाहन स्टैण्डों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग परिवहन के विरुद्ध राजस्व विभाग, खनन विभाग, पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग को संयुक्त रूप से निरंतर अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बिना नंबर प्लेट वाले किसी भी वाहन के संचालन की स्थिति में वाहन को सीज करते हुए चालक के ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन एवं निरस्तीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। अवैध खनन की स्थिति में संबंधित राजस्व एवं पुलिस कर्मियों की जवाबदेही निर्धारित करते हुए विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही भी सुनिश्चित कराई जाए।

बैठक में स्कूली वाहनों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित कराने तथा अनाधिकृत रूप से स्कूली बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए गए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, नगर मजिस्ट्रेट, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अभियंता, एनएचएआई एवं अन्य कार्यदायी संस्थाओं के साइट इंजीनियर, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 6 हितग्राहियों को मिली आर्थिक सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत जिले के 6 जरूरतमंद हितग्राहियों को उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार करैरा तहसील के ग्राम सिल्लारपुर निवासी फूलवती जाटव को सर्जरी के लिए 50 हजार रुपये, कोलारस तहसील के ग्राम रांछी-गणेशखेड़ा निवासी कलावती धाकड़ को मल्टीपल मायलोमा के उपचार हेतु 50 हजार रुपये तथा नरवर निवासी विजय सिंह कोली को फेफड़ों के कैंसर के उपचार के लिए 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार कोलारस के मानीपुरा वार्ड क्रमांक-09 निवासी राजू रघुवंशी को 1 लाख रुपये, हिम्मदपुर खोड़ निवासी आरोही लोधी को 35 हजार रुपये तथा डोगरपुर, नरवर निवासी संदीप रावत को 90 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से प्राप्त यह आर्थिक सहायता गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों के उपचार में सहायक सिद्ध होगी। शासन की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ-साथ समय पर बेहतर उपचार की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

यूपीएससी का पेपर खराब होने पर युवक नदी में कूदा, स्कूटी-कपड़े पोस्टमार्टम हाउस पर रखे; पैदल पुल तक गया

उन्होंने मां से इस बात का जिक्र किया था। मां ने उनको समझाया भी था। सोमवार सुबह करीब आठ बजे प्रखर स्कूटी लेकर घर से निकले।यूपीएससी का पेपर खराब होने से परेशान

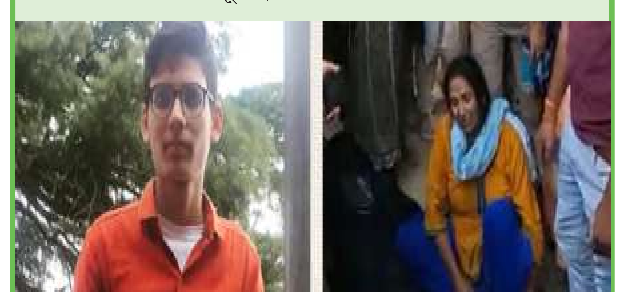

हुसैनाबाद राजकीय इंटर कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल सुष्मलता पाल के बेटे प्रखर पाल (26) ने सोमवार सुबह पक्के पुल से नदी में छलांग लगा दी। पुलिस गोताखोरों व एसडीआरएफ की मदद से दोपहर को प्रखर का शव नदी से बरामद किया गया।इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि आलमबाग के जयप्रकाश नगर निवासी सुष्मलता के बेटे प्रखर ने रविवार को यूपीएससी का पेपर था। उनका बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज में सेंटर गया था। सुष्मलता की बेटी के देवर प्रदीप ने बताया कि प्रखर का पेपर कुछ खराब हुआ था। उन्होंने मां से इस बात का जिक्र किया था। मां ने उनको समझाया भी था। सोमवार सुबह करीब आठ बजे प्रखर स्कूटी लेकर घर से निकले और हुसैनाबाद इंटर कॉलेज के पास बने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां पर उन्होंने स्कूटी खड़ी की और कपड़े उतार कर रख दिए।पक्के पुल तक पैदल पहुंचे और लगा दी छलांग

पोस्टमार्टम हाउस पर स्कूटी खड़ी करने और कपड़ा उतारने के बाद प्रखर कुछ दूरी पर स्थित पक्के पुल पहुंचे और वहां से नदी में छलांग लगा दी। लोगों ने जब प्रखर को नदी में कूदते देखा तो शोर मचा दिया। सूचना पाकर मौके पर चौक पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने गोताखोरों को प्रखर की तलाश में लगाया। कुछ ही देर में एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई। गोताखोरों व एसडीआरएफ की मदद से प्रखर की तलाश शुरू की और दोपहर दो बजे उनका शव नदी से बरामद किया गया।रोते हुए पहुंची मां, शव देख हुई बेसुध- बेटे प्रखर के नदी में कूदने की खबर पाकर मां सुष्मलता रोते हुए घटनास्थल पर पहुंच गईं। उनके साथ कुछ रिश्तेदार भी मौजूद थे। दोपहर को जब बेटे का शव नदी से निकाला गया तो बेटे की लाश देखते ही वह बेसुध हो गईं। रिश्तेदारों ने किसी तरह उनको संभाला। मां के लिए छोड़ दी थी नौकरी- पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद रिश्तेदार प्रदीप ने बताया कि प्रखर ने बिहार के बोधगया स्थित आईआईएम से पढ़ाई थी। इसके बाद पुणे में नौकरी ज्वाइन की थी। उनके पिता विष्णु गोपाल पाल सूचना विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर थे। कोविड में उनकी मौत हो गई थी। इसके चलते प्रखर नौकरी छोड़कर मां की वजह से लखनऊ आ गए थे और यूपीएससी की तैयारी करने लगे थे। प्रखर के परिवार में मां के अलावा बहन प्रगति पाल हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

कछला गंगा घाट पर हुई घटना पर डीएम व एसएसपी ने तत्काल पहुंचकर बचाव राहत कार्य हेतु दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / कछला गंगा घाट से करीब दो किलोमीटर दूर नरोरा की तरफ गंगा दशहरा पर स्नान कर रहे जनपद हाथरस के निवासी कुछ श्रद्धालु के डूबने की घटना होने पर जिलाधिकारी अवनीश राय तत्काल पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बचाव कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनपद हाथरस के ग्राम कानू व ग्राम पिछोती से एक ही परिवार के 07 लोग ज्येष्ठ माह के गंगा दशहरा पर्व पर जनपद बदायूँ में गंगा स्नान हेतु आए थे। यह सभी 07 लोग कछला घाट पर स्नान न करके घाट से करीब 2 किलोमीटर दूरी पर नरोरा की तरफ गहरे पानी में गंगा स्नान कर रहे थे कि अचानक सभी लोग डूबने लगे। तत्काल सूचना प्राप्त होने पर 05 लोगों को नाविकों व स्थानीय पुलिस द्वारा सकुशल बाहर निकाला गया तथा 02 लोग गहरे पानी में डूब गए जिसमें से 15 वर्षीय किशोर निलेश की मृत्यु हो गई है तथा 10 वर्षीय किशोरी शिखा की पुलिस, गोताखोरों व फ्लड पी.ए.सी द्वारा तलाश की जा रही है। जिलाधिकारी ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गंगा दशहरा पर्व पर की गई विभिन्न व्यवस्थाओं की एक-एक कर समीक्षा की व संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था, गोताखोरों की व्यवस्था, सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था आदि विभिन्न व्यवस्थाओं को जांचा व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि श्रद्धालु गहरे पानी वाले क्षेत्र में ना जाए, जो नियत स्थान पर है उसी में स्नान कर धर्म लाभ लें। डीएम ने नाव से भी की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व बचाव राहत कार्यों के संबंध में संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण पर हुआ कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /अनिल कुमार /गंज बासौदा / पठारी के प्राचीन एवं इतहासिक तालाब पर जल संरक्षण को लेकर वृहद कार्यक्रम आयोजित हुआ द्य तालाब एवं मंदिर परिसर के चारो और साफ सफाई कर स्वच्छता की गई द्य इसके बाद तालाब में जल की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई द्य सभी ने स्वच्छता की शपथ ली द्य इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अथिति पूर्ब जनपद अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ठाकुर, पठारी सरपंच, विधाय क प्रतिनिधि अखिलेश पंथी, इंजी. ज्योतिष श्रीवास्तव, सचिव गोविन्द सिंह राजपूत, रोजगार साहयक निक्की जैन, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से नवांकुर संस्था ग्राम मथुरापुर शानवी मानव उत्थान सेवा समिति से जीवन सिंह, प्रस्फुटन समिति मथुरापुर से श्रीकांत दांगी, स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे, समीर कुमार, लल्ला, महिला समाज सेवी ताई जी, बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे द्य स्वछता कार्यक्रम के बाद राजमंदिर में स्थित शिव शंकर जी पर जल अभिषेक किया गया द्य इसके बाद सभी को प्रसाद स्वरूप मिठाई वितरण की गई द्य इस कार्यक्रम के बाद नवांकुर संस्था ने ग्राम बड़ोह, जरौली मथुरापुर में भी कार्यक्रम आयोजित हुये द्य

दूरांचल ग्राम उमझर में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 172 मरीजों का हुआ उपचार

क्यूँ न लिखूँ सच / बिहारपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के दूरांचल एवं विद्युत विहीन ग्राम उमझर में भीषण गर्मी और तेज धूप को देखते हुए श्री सर्वेश्वरी समूह आश्रम द्वारा एकदिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार, दवा वितरण एवं मच्छरों से बचाव हेतु मच्छरदानी प्रदान कर मानव सेवा का सराहनीय कार्य किया गया।

यह सेवा शिविर 24 मई 2026 को श्री सर्वेश्वरी समूह, शाखा मकरी कुटिया आश्रम गढ़वा (झारखंड) के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।शिविर के दौरान कुल 172 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के उद्देश्य से 60 बुजुर्ग ग्रामीणजनों को मच्छरदानी वितरित की गई।

आयोजकों ने बताया कि यह पुनीत सेवा कार्य परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम जी एवं पूज्य बाबा गुरुपद संभव राम जी की कृपा और गुरु प्रेरणा से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने संस्था के सेवा भाव एवं जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर सर्वश्री बिहारीराम बाबा, सुशील सिन्हा, अनूप यादव, जशवंत गुप्ता, रमेश यादव, डॉ. कृष्णा गुप्ता, डॉ. अभय यादव, पूनमचंद गोयल, बाल सिंह, मुस्कान सिंह, बृजेश देवांगन, शिशुपाल जायसवाल, सियाराम साहू, राजेश जायसवाल, डी.जे. सिंह एवं इंजी. लक्ष्मण जायसवाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

कालपी में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान /जेसीबी देख मचा हड़कंप

कालपी में प्रशासन सख्त: बाजार में गरजा बुलडोज़र/ दुकानदारों में नाराज़गी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कालपी में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्यवाही /छोटे व्यापारियों ने उठाए सवाल / कालपी में सड़क किनारे कब्जों पर कार्यवाही अब बड़े अतिक्रमणकारियों की बारी जनपद जालौन कालपी में शासन के सख्त निर्देशों के बाद शनिवार को नगर पालिका परिषद कालपी ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया लंबे समय से संकरी होती सड़कों बढ़ते ट्रैफिक जाम और नालियों पर कब्जों की शिकायतों के बीच पालिका की टीम जेसीबी मशीन लेकर मुख्य बाजार में उतरी पहले ही दिन टरनंगंज और मेन बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया जिससे इलाके में हड़कंप मच गया वहीं पालिका की कार्यवाही शुरू होते ही कई दुकानदारों और ठेला-रेहड़ी संचालकों ने अपना सामान खुद ही हटाना शुरू कर दिया जबकि कुछ स्थानों पर जेसीबी मशीन से अतिक्रमण तोड़ा गया अभियान के दौरान नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला पालिका कर्मी और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे आप को बता दें कि ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति पैदा न हो प्रशासन बोला जनता की सुविधा के लिए जरूरी कार्यवाही - नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला ने कहा कि यह अभियान अभी शुरुआत भर है और आगे भी लगातार जारी रहेगा उनके अनुसार सड़कों और नालियों पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण आम लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी जाम गंदगी और दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए कार्यवाही जरूरी हो गई वहीं उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि नाली के बाहर तक जितना भी अवैध कब्जा पाया जाएगा उसे हटाया जाएगा वहीं व्यापारियों में नाराज़गी नोटिस पर उठे सवाल- इसी के मद्देनजर रखते हुए हम आप को बता दें पालिका की इस कार्यवाही से छोटे व्यापारियों और दुकानदारों में नाराज़गी भी देखने को मिली कई लोगों ने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त नोटिस दिए अचानक अभियान चलाया गया जिससे उनका सामान और रोज़गार प्रभावित हुआ कुछ व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन अक्सर छोटे दुकानदारों पर ही सख्ती दिखाता है जबकि बड़े और प्रभावशाली कब्जाधारियों पर कार्यवाही नहीं होती वहीं निष्पक्षता को लेकर चर्चा तेज अभियान के बाद शहर में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या इस बार कार्यवाही पूरी निष्पक्षता से होगी या फिर पहले की तरह रसूखदार लोगों को बचा लिया जाएगा वहीं स्थानीय लोगों का कहना कि अतीत में भी कई बार अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हुए लेकिन कुछ दिनों बाद सब ठंडे बस्ते में चला गया वहीं आगे की कार्यवाही पर टिकी निगाहें पहले दिन की कार्यवाही ने यह संकेत जरूर दे दिया कि प्रशासन इस बार सख्त रुख अपनाए हुए हालांकि आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि बुलडोज़र सिर्फ गरीब और छोटे व्यापारियों तक सीमित रहता है या बड़े अतिक्रमणकारियों तक भी पहुंचता बताया जा रहा है कि फिलहाल कालपी में शुरू हुआ यह अभियान शहर को जाम और अव्यवस्था से राहत दिलाने की कोशिश माना जा रहा लेकिन साथ ही यह सवाल भी छोड़ रहा है क्या कानून की कार्यवाही वास्तव में सबके लिए बराबर है

हर पात्र तक पहुंचे योजनाओं का लाभ, आधार सत्यापन में न हो लापरवाही

डीएम ने आधार अनुश्रवण समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा आधार नामांकन, बायोमेट्रिक अद्यतन एवं डीबीटी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए।जिलाधिकारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि फैमिली आईडी-एक परिवार एक पहचान योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों का आधार प्रमाणीकरण तेजी से पूर्ण कराया जाए तथा योजनाओं से वंचित परिवारों को चिन्हित कर उन्हें तत्काल लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि आधार सत्यापन की प्रक्रिया में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी। बैठक में 05 से 15 वर्ष एवं 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के बायोमेट्रिक अद्यतन (एमबीयू) की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार नामांकन में तेजी लाने तथा राज्य पोर्टल पर लंबित सत्यापनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य हेतु विभिन्न विभागों को आवंटित किट्स की उपलब्धता एवं सक्रियता की भी समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि सभी सक्रिय किट्स का पूर्ण उपयोग करते हुए आमजन को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आधार सेवाओं से संबंधित कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए ताकि जनसामान्य को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, डीडीओ निशान्त पांडेय, उप कृषि निदेशक एसके यत्तम, डीएसटीओ नीरज चौधरी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कथा व्यास का सम्मान अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष जिलाध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रधान पचीपुरी ने भी कथा व्यास का सम्मान किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। ग्राम जुझार पुरा में चल रहे 51 कुण्डीय महायज्ञ और श्री मद भागवत कथा में आज अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष आनंद पटेल बाबू जी बोहरा अपना दल एस के जिलाध्यक्ष

अनिल कुदारी कोंच ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र पटेल शीलू पड़री अपना दल प्रांतीय कार्य कारिणी सदस्य रोहित राठौर और प्रधान पचीपुरी अवधेश पटेल आदि ने कथा व्यास पं पवन कृष्ण शास्त्री आदि का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया इस मौके पर कथा व्यास द्वारा सुदामा चरित्र के प्रसंग की कथा सुनाई इस अवसर परीक्षित विनोद निरंजन बाबू जी सौरभ पटेल सचिन पटेल लालसिंह कुशवाहा राम बाबू कुशवाहा अनिल लुहारी सहित कई लोग मौजूद रहे इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे कथा समापन के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया

इलाज कम, इगो ज्यादा! – मेडिकल कॉलेज उरई पर जनता का रुख,निजी सर्वे में डॉक्टरों के रवैये की खुली पोल

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ मेडिकल कॉलेज उरईज् नाम सुनते ही लोगों को उम्मीद होती है इलाज की, राहत की, इंसानियत की। लेकिन हालात ऐसे बन चुके हैं कि मरीज अस्पताल कम, एटीट्यूड सेंटर ज्यादा महसूस करने लगे हैं। करीब 50 परिवारों से जिन्होंने किसी ना किसी रूप में मेडिकल कॉलेज उरई की सेवाएं ली उनसे बातचीत की और उसके बाद जो तस्वीर निकलकर सामने आई, उसने पूरे सिस्टम की धड़कनें बढ़ा दी हैं। लोगों का साफ कहना है कि मेडिकल कॉलेज में कुछ डॉक्टरों का रवैया ऐसा है मानो मरीज इलाज कराने नहीं, बल्कि कोई एहसान लेने आया हो। बात करने का तरीका ऐसा कि दर्द से कराहता मरीज भी पहले अपमान का इंजेक्शन झेलता है, फिर दवा की उम्मीद करता है। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि सरकारी ड्यूटी से ज्यादा फोकस प्राइवेट प्रैक्टिस पर दिखाई देता है। अस्पताल में डॉक्टर साहब व्यस्त मिलते हैं, लेकिन शाम होते-होते निजी क्लीनिकों में मुस्कान भी लौट आती है और समय भी। जनता पूछ रही है कि अगर इलाज बाहर ही कराना है तो फिर करोड़ों की इमारत और सरकारी व्यवस्थाओं का फायदा आखिर किसके लिए? कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा कि मेडिकल कॉलेज में मरीज की बीमारी से ज्यादा उसकी पहचान देखी जाती है। आम आदमी लाइन में धक्के खाता है और रसूखदार सीधे कमरे तक पहुंच जाता है। हालांकि यह भी सच है कि सभी डॉक्टर एक जैसे नहीं होते। कई डॉक्टर आज भी पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता से सेवा दे रहे हैं। लेकिन सवाल उन चेहरों पर है जिनकी वजह से पूरे संस्थान की छवि धूमिल हो रही है।

संबल योजना के पंजीकृत श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य, 13 जून तक करें प्रक्रिया पूर्ण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, 25 मई। संबल योजना अंतर्गत पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य करते हुए जिला प्रशासन ने इसे निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने श्रम अधिकारी एवं समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संबल योजना के ऐसे पंजीकृत श्रमिक जिनकी ई-केवाईसी अभी तक लंबित है, उनसे संपर्क स्थापित कर आगामी 13 जून 2026 तक प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पात्र श्रमिकों को समय रहते ई-केवाईसी के लिए जागरूक करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। श्रम निरीक्षक ने बताया कि लंबित ई-केवाईसी वाले पंजीकृत श्रमिकों की जानकारी संबल पोर्टल पर जिला एवं निकाय स्तर पर उपलब्ध लॉगिन के माध्यम से देखी जा सकती है। इसके अतिरिक्त यह जानकारी सार्वजनिक डोमेन में भी उपलब्ध कराई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 13 जून 2026 के बाद जिन श्रमिकों द्वारा ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण नहीं कराई जाएगी, उनका पंजीयन एवं संबल कार्ड नियमानुसार निरस्त कर दिया जाएगा। ऐसे में संबंधित श्रमिकों से समय-सीमा के भीतर ई-केवाईसी कराने की अपील की गई है।

Ebola Virus: Isolation and timely treatment are essential to prevent Ebola. Learn its symptoms in one click.

The Directorate General of Health Services (DGHS) of the Government of India has issued an important health advisory regarding the Ebola virus. Under this advisory, people arriving from certain countries will need to take special care of their health. The Ministry of Health and Family Welfare of the Government of India has issued an important health advisory regarding the Ebola virus. This advisory is specifically for travelers arriving in India from or having traveled through high-risk countries such as DR Congo, Uganda, and South Sudan. The government has clarified that Ebola is a serious and life-threatening viral infection that can spread through direct contact with bodily fluids of an infected person. In light of this, airports and health agencies have been instructed to remain vigilant and implement special screening procedures. The Health Department has urged travelers to seek immediate medical attention and share their travel history if they experience any symptoms, so that the infection can be contained in time. Many people still don't know what this virus is, so read this article to the end. What are the symptoms of Ebola? The initial symptoms of Ebola virus infection resemble those of a common viral fever, which is why many people don't take it seriously. These include high fever, extreme weakness and fatigue, headache, and muscle aches. As the condition gradually worsens, problems like sore throat, vomiting, and diarrhea may develop. In some severe cases, abnormal bleeding may also be observed, such as from the nose, gums, or internal organs. This is why early detection is crucial. How Ebola spreads: Ebola is primarily spread through direct contact with an infected person's bodily fluids. This includes blood, sweat, vomit, saliva, feces, and other body fluids. If a person comes into contact with these infected fluids, they are at increased risk of infection. The disease is not spread through the air, but the risk increases significantly if precautions are not taken while caring for an infected patient. Therefore, health workers and travelers need to be especially vigilant. When to see a doctor? If a person has recently traveled to an area where Ebola cases have been reported and experiences symptoms such as fever, weakness, vomiting, diarrhea, or abnormal bleeding within 21 days, they should immediately consult a doctor. It is crucial to disclose travel history so that appropriate testing and treatment can be initiated promptly. Delaying this can worsen the condition and increase the risk of spreading the infection. Is it fatal? Ebola is a serious and, in many cases, fatal disease. If timely treatment and care are not received, it can affect multiple organs and lead to death. However, timely identification, isolation, and medical attention increase the patient's chances of survival. Therefore, taking it lightly can be dangerous, and seeking immediate medical attention is essential.

Poor Digestion Habits: These 6 Everyday Habits Are Slowly Degrading Your Digestive System

Our digestive system is compromised due to some of our own mistakes. Here, we'll explain them. The digestive system is a system in our body that converts the food we eat into energy and nutrients, keeping the entire body healthy. However, today's hectic lifestyle and unhealthy eating habits are increasingly impacting this system. People often make mistakes without thinking, which gradually lead to serious stomach problems. These problems may seem minor at first, but over time, they can develop into diseases like gas, acidity, constipation, and IBS. Therefore, it's crucial to understand which everyday mistakes are causing the most harm to our gut health. 1. Eating at midnight - After 9 p.m., the body's metabolism gradually decreases as the body begins to rest. In such a situation, food eaten late is not digested properly and remains in the stomach for a long time. This triggers fermentation, which produces gas and leads to bloating. Furthermore, problems like acid reflux, heartburn, and heaviness can also increase. If this habit persists, there is a risk of weight gain and sleep disturbance. 2. Skipping meals - When we don't eat on time or repeatedly skip meals, the body's digestive system becomes unbalanced. Acid is produced in the stomach, but due to lack of food, it can damage the stomach lining. This increases stomach cramps, gas, bloating, and digestive problems. Long-term, this habit can lead to serious conditions like IBS (Irritable Bowel Syndrome), which causes abdominal pain and irregular bowel movements. 3. Eating processed and packaged foods daily - Foods like chips, biscuits, noodles, and fast food are low in nutrition and high in chemical preservatives. These foods harm the good gut bacteria, which are essential for digestion. Consuming such foods consistently can increase inflammation, weaken digestion, and lower immunity. In the long run, this can lead to obesity and metabolic diseases. 4. Not drinking enough water - Water plays a vital role in the smooth functioning of the body's digestive system. When the body lacks water, the intestines become dry and stools harden. This increases constipation. If this continues, it can lead to painful problems like fissures and hemorrhoids. Dehydration also prevents the body from eliminating toxins properly, causing a heavy and uncomfortable feeling in the stomach. 5. Lack of fiber - Fiber is essential for the digestive system because it helps cleanse the intestines. A diet high in refined flour, white rice, and limited vegetables can cause waste material to accumulate in the body. This can gradually harden and cause constipation and abdominal pain. Lack of fiber makes bowel movement difficult and increases pressure on the intestines, which weakens the digestive system. 6. Irregular sleep- Sleep is not only necessary for rest, but also for the repair process of the body. When sleep is not complete or the timing is irregular, the functioning of the intestines gets affected. This causes imbalance in the gut-brain axis, which directly affects digestion. Poor sleep can increase problems like bloating, acidity and IBS. Lack of sleep for a long time disturbs the entire metabolism of the body.

Cooling Tips: Is your house heating up like a furnace? Do this on the rooftop to keep your room cool even without AC.

These days, temperatures are at their peak. Most places are experiencing temperatures above 40 degrees Celsius throughout the day. Consequently, many people's homes are experiencing furnace-like heat. The government has suggested some preventative measures, which you should also know about. During the summer, the direct and harsh rays of the sun first fall on the roof of our house. Due to the intense heat of the sun throughout the day, the concrete roof acts like a furnace, the heat of which reaches the rooms below. This makes sitting or sleeping in rooms without AC difficult. Many people cannot afford expensive cooling systems. In such a situation, if you implement some simple, inexpensive, and traditional measures on your roof, your entire home can remain naturally cool and comfortable even without running an AC. Green Net Shading: Install a green shade net using bamboo poles across your entire roof or just above the rooms. Air circulation is maintained under the shade, preventing the roof from overheating even during the hottest hours of the day. This green mesh prevents the sun's rays from directly hitting the concrete surface of the roof. Heat Insulation Tiles: Replace regular tiles on your roof with white heat insulation tiles. This is a one-time investment that helps keep your home cool during the summer season. These tiles have a texture that absorbs the sun's heat and prevents it from reaching the rooms below. Reflective Material: Lime or White Paint: Apply a lime coating or good-quality white reflective paint to the roof surface. This is the cheapest solution, both cost-effective and effective. It keeps the concrete roof cool and reduces room temperatures by 5 to 7 degrees. The white color reflects sunlight and harmful rays back to the sky instead of absorbing them. Secondary roof screen made of bamboo, straw, and palm leaves - This is a kind of indigenous solution, in which a thatch or temporary layer is created by mixing bamboo, dry grass, and palm leaves on the roof. Fortunately, it is an environmentally friendly and extremely economical solution, which keeps your home naturally cool without much expense. This traditional method completely protects the entire roof from the direct heat of the concrete and strong hot winds, i.e., heat waves.

Who is Sapna Pabbi, the actress in "Bandar"? Her name surfaced in the Sushant Singh Rajput drug case; what's the connection?

Actress Bobby Deol's new film, "Bandar," is set to be released soon. Sapna Pabbi will also be seen in the lead role. Find out who Sapna Pabbi is and what is her connection to the drug case?

Anurag Kashyap's upcoming film, "Bandar," is set to be released soon. Bobby Deol plays the lead role in the film, while Sapna Pabbi will be seen opposite him. Fans' excitement has only increased since the trailer was released. Sapna Pabbi is a British actress and model known for her work in Indian television, films, and web series. She is back in the news following the trailer launch of her upcoming film, "Bandar." "Bandar," releasing on June 5th, is a psychological drama and mystery film that is quite different from typical commercial films. The trailer shows Bobby Deol in a completely new and serious light. He plays a man accused of sexually abusing and assaulting several young women. As the trailer progresses, Sapna Pabbi's character becomes increasingly important in the story. Initially, she appears close to Bobby Deol, but later turns against him. This twist has further increased public curiosity about the film. Sapna Pabbi began her acting career in 2013 with the TV show 24, in which she worked with Anil Kapoor. She has subsequently appeared in films such as "Khamoshiyan," "Ardaas Karan," "Mar Gaye Oye Loko," and "Almost Pyaar with DJ Mohabbat." In addition to films and web series, Sapna Pabbi's name also came into the spotlight a few years ago during the investigation into the Sushant Singh Rajput case. She worked with Sushant in the film "Drive." Later, her name appeared in some media reports related to the drug investigation. At the time, an ABP News report claimed that Sapna Pabbi had gone to London before appearing before investigating agencies. However, the actress denied these reports. She clarified that she had gone to London only to spend time with her family.

Sonu Nigam will perform in Abu Dhabi for the first time, launching his "The Revolution World Tour"; learn about the show.

Sonu Nigam is set to kick off his major world tour, "The Revolution," in Abu Dhabi in August this year. Learn all the details about the show. Sonu Nigam is considered one of India's most talented singers. He has delivered numerous hits throughout his career. Now, he's set to kick off his major world tour in Abu Dhabi, and fans have been excited ever since the announcement. Find out when and where the concert will take place. Sonu Nigam's voice will resonate in Abu Dhabi - this concert will take place at the Etihad Arena on August 21, 2026. Significantly, this will be Sonu Nigam's first major solo arena concert in Abu Dhabi. Padma Shri awardee Sonu Nigam is also known to his fans by nicknames like "Lord of Chords" and "Ruler of Hearts." In this special concert, he will be celebrating his 30-year-long music career. The show will feature his romantic songs, timeless Bollywood hits, dance numbers, and some new songs. What will 'The Revolution World Tour' be like? - 'The Revolution World Tour' is considered one of the biggest arena tours of Sonu Nigam's career. The show is designed to be an international-level live music experience, featuring a spectacular live band, powerful audio-visual effects, and high-energy performances. After Abu Dhabi, the tour will also visit countries like the United Kingdom, North America, Australia, and New Zealand. Where can I get tickets? Concert tickets are now available at Etihad Arena and PlatinumList. About Etihad Arena: Etihad Arena is considered the largest multipurpose indoor arena in the Middle East. Located on Yas Island, this venue can seat approximately 18,000 people. It frequently hosts major international concerts, sports events, and family shows.

Aishwarya Rai Bachchan's first look from Cannes 2026 has been revealed; she looked stunning in a blue gown; she stole the show.

The Cannes Film Festival is underway in France. Bollywood's most decorated actress, Aishwarya Rai Bachchan, participates in this festival every year and dazzles everyone with her looks. This time too, she has arrived in Cannes. The 79th Cannes Film Festival began on May 12th and will continue until May 23rd. Like every year, Aishwarya Rai Bachchan has arrived in Cannes to participate. Previously, several Bollywood actresses, including Alia Bhatt, Huma Qureshi, Aditi Rao Hydari, and many others, have showcased their beauty. Now, Aishwarya has also made her presence felt. The 79th Cannes Film Festival began on May 12th and will continue until May 23rd. Like every year, Aishwarya Rai Bachchan has arrived in Cannes to participate. Previously, several Bollywood actresses, including Alia Bhatt, Huma Qureshi, Aditi Rao Hydari, and many others, have showcased their beauty. Now, Aishwarya Rai has also made her presence felt. Aishwarya Rai's video goes viral. Several videos circulating on social media show that Aishwarya Rai has arrived at Cannes. Her look is going viral. The video shows Aishwarya Rai wearing a blue gown, with a dupatta draped over both her hands from behind. The necklace she is wearing is stylish and enhances her beauty. Furthermore, she has left her hair open. Fans love Aishwarya Rai's look - Fans are amazed by Aishwarya Rai's new look and are praising her. One user called her a queen. Another wrote, "The kingdom finally has a queen." Another user wrote, "Aishwarya Rai is the OG of Cannes." Another user wrote, "Her body shape is great." Another user wrote, "The wait is over, the queen has arrived in Cannes." Will she attend the closing ceremony of Cannes? It is being speculated that Aishwarya Rai will soon be seen on the red carpet at Cannes. According to a Money Control report, Aishwarya Rai will attend the closing ceremony of the Cannes Film Festival. Due to some unknown reasons, she has not yet been able to travel to France for this prestigious event.